टौड स्टर्न

जलवायु मुद्दे का ज़िम्मा

दीपांजली काकाती

अमेरिकन इंट्रेस्ट पत्रिका के जनवरी-फ़रवरी 2007 के अंक में तब तक निर्वाचित न हुए 44वें अमेरिकी राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन प्रकाशित हुआ। वाशिंगटन, डी.सी. के दो मंथन समूहों के सदस्यों, टौड स्टर्न और विलियम एंथोलिस, द्वारा लिखित यह ज्ञापन ''अमेरिकी मंथन विभाग'' की ओर से जारी किया बताया गया। इसमें एक ई-8 मंच की स्थापना की बात कही गई। भारत समेत विकसित और विकासशील देशों का ऐसा मंच जो पारिस्थितिकीय और सांसाधनिक चुनौतियों के मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए सालाना बैठक करे। इस ज्ञापन को राष्ट्रपति बनने की दौड़ में नज़र आ रहे सभी लोगों को दिया गया।

दो साल बाद इस ज्ञापन का एक लेखक खुद को बराक ओबामा प्रशासन में एक महत्वपूर्ण पद पर नियुक्त पा रहा है। अमेरिका के पहले विशेष जलवायु बदलाव दूत स्टर्न प्रशासन के मुख्य जलवायु वार्ताकार होंगे और अंतरराष्ट्रीय जलवायु नीति के बारे में प्रमुख सलाहकार भी। वह संयुक्त राष्ट्र में होने वाली वार्ताओं में अमेरिकी प्रयासों का नेतृत्व करेंगे और जलवायु एवं स्वच्छ ऊर्जा नीति विकसित करने के मोर्चे पर अग्रणी भागीदार होंगे।

अमेरिकी विदेश मंत्री हिलेरी क्लिंटन ने जनवरी में इस बारे में घोषणा करते हुए कहा, ''विशेष दूत की नियुक्ति करके हम साफ संदेश दे रहे हैं कि अमेरिका वैश्विक जलवायु बदलाव और स्वच्छ ऊर्जा से जुड़े संबद्ध मुद्दों से जूझने के लिए पूरी ऊर्जा, ध्यान, रणनीति और गंभीरता के साथ काम करेगा।''

स्टर्न ने कहा, ''वार्ताकारों के लिए पुरातनपंथी विचारों से चिपके रहने का यह समय नहीं है। न ही यह समय ऐसा है कि बहुत से प्रयासों को पहले की भांति आपसी टकराव का शिकार होने दें।'' उन्होंने 1990 के दशक में बिल क्लिंटन प्रशासन के जलवायु बदलाव के मोर्चे पर हुए प्रयासों का समन्वय किया था। वह क्योतो, जापान और ब्यूनस आयर्स, अर्जेंटीना में संयुक्त राष्ट्र जलवायु वार्ता में व्हाइट हाउस के वरिष्ठ प्रतिनिधि के तौर पर भाग ले चुके हैं। वह कहते हैं, ''जलवायु में बदलाव को रोकने के लिए वैश्विक अर्थव्यवस्था को कार्बन (डाइऑक्साइड) के उच्च उत्सर्जन से कम कार्बन ऊर्जा आधार की ओर मोड़ने से कम कोई विकल्प कारगर नहीं होगा।''

वर्ष 1999 से 2001 तक स्टर्न ने अमेरिका के वित्तमंत्री को आर्थिक एवं वित्तीय मसलों पर सलाह प्रदान की और विभाग की काले धन को सफेद बनाने के विरुद्ध रणनीति का जिम्मा संभाला। हाल ही में वह वाशिंगटन की एक कानूनी फर्म विल्मरहेल में पार्टनर थे और सेंटर फ़ॉर अमेरिकन प्रोग्रेस थिंक टैंक के सीनियर फ़ेलो भी।

स्टर्न की नियुक्ति से चर्चाएं शुरू हो चुकी हैं। *फ्रीडम फ्रॉम ऑयल* के लेखक और ब्रुकिंग इंस्टीट्यूशन के सीनियर फ़ेलो डेविड सैंडालो ने वाशिंगटन पोस्ट में लिखा, ''आज अमेरिका के जलवायु राजनय में नए चैप्टर की शुरुआत हुई है। विशेष जलवायु दूत की नियुक्ति इस बात को रेखांकित करती है कि राष्ट्रपति ओबामा और विदेश मंत्री हिलेरी क्लिंटन जलवायु बदलाव के मसले को बहुत उच्च प्राथमिकता देते हैं। टौड स्टर्न पहले दर्जे के, बेहद प्रतिभावान, व्यापक रूप से अनुभवी और बड़े विशेषज्ञ हैं।''

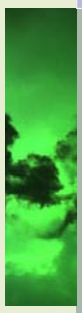

इस मसले पर मौजूदा ध्यान के चलते जलवायु बदलाव के इस विशेषज्ञ के लिए शुरुआत बेहद व्यस्त रही है। फ़रवरी में स्टर्न पहली बार अपनी विदेश यात्रा के क्रम में क्लिंटन के साथ एशिया पहुंचे जहां नेताओं और अधिकारियों के साथ आपसी बातचीत में जलवायु बदलाव का मसला प्रमुखता के साथ उठा। चीन के तैयांग गोंग बिजली संयंत्र की यात्रा के दौरान स्टर्न ने कहा, ''... स्वच्छ ऊर्जा अर्थव्यवस्था को न सिर्फ आर्थिक प्रगति के साथ आगे बढ़ाया जा सकता है, बल्कि हमें यही वह अर्थव्यवस्था बनानी है जो सिर्फ आज ही नहीं, भविष्य में भी कारगर साबित हो।''

मार्च में अमेरिका जलवायु कार्रवाई संगोष्ठी में उन्होंने उन सिद्धांतों का प्रतिपादन किया जो दिसंबर में डेनमार्क में होने वाले संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सम्मेलन और उसके बाद भी अमेरिकी दृष्टिकोण को प्रस्तुत करेंगे।

अमेरिकी विदेश विभाग द्वारा तैयार और डाएन वूलवर्टन द्वारा डिज़ाइन तथा डुगेल्ड स्टर्मर द्वारा रेखांकन किया गया पृथ्वी दिवस 2009 का पोस्टर।

माइकल ग्रॉस / अमेरिकी विदेश विभाग

हिलेरी क्लिंटन और टौड स्टर्न

अमेरिका किस तरह इस मसल की ''महत्ता और तुरंत कार्रवाई'' से रूबरू है, यह इशारा करते हुए वह कहते हैं, ''अमेरिका लंबे समय तक किनारे पर बैठा रहा।'' ''... हर बीतते साल के साथ समस्या गंभीर और मुश्किल होती जा रही है। ... हमें आरोपी ठहराने से जुड़े उपदेशों को कम करने की ज़रूरत है और पृथ्वी पर साझा खतरे का सामना करने के लिए प्राचीन कॉमिक पुस्तक से लिए सबक की तरह एक होना है। क्योंकि यहां हमारे पास बस यही सब कुछ है।''

ज़्यादा जानकारी के लिए:

अमेरिकी जलवायु कार्रवाई संगोष्ठी में टौड स्टर्न का मुख्य भाषण।

http://www.state.gov/g/oes/rls/remarks/2009/119983.htm

अमेरिका के लिए नई ऊर्जा

अमेरिका के लिए नई ऊर्जा योजना का लक्ष्य है:

- आगामी 10 वर्षों में सुनियोजित ढंग से 150 अरब डॉलर का निवेश करके 50 लाख नए रोजगार अवसर पैदा करने में मदद देना जिससे कि स्वच्छ ऊर्जा भविष्य के लिए निजी प्रयासों को बढ़ावा मिल सके।
- 10 वर्ष के भीतर इतने तेल की बचत जितना तेल अमेरिका वर्तमान में मध्य-पूर्व और वेनेजुएला से आयात करता है।
- 2015 तक ऐसी 10 लाख प्लग-इन हाइब्रिड कारों को सड़क पर उतारना जो 65.1 किलोमीटर प्रति लीटर का औसत दें और यह भी कि इनका निर्माण अमेरिका में ही किया जाए।
- यह सुनिश्चित करना कि 2012 तक अमेरिका की 10 प्रतिशत और 2025 तक 25 प्रतिशत बिजली नवीकरण स्रोतों से प्राप्त हो।
- 2050 तक ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन में 80 प्रतिशत कमी लाने के लिए पूरे अमेरिकी उद्योग पर ग्रीनहाउस गैस की रोकथाम के कैप-एंड-ट्रेड कार्यक्रम को लागू करना।

http://www.barackobama.com/pdf/factsheet_energy_speech_080308.pdf

स्रोत: www.whitehouse.gov